ब्रेन ईटिंग अमीबा

[स्रोत: DTE]

केरल में **प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM)** के कई मामले सामने आए हैं, जो **“ब्रेन-ईटिंग अमीबा”** के कारण होने वाला संक्रमण है।

ब्रेन ईटिंग अमीबा

- **विषय: ब्रेन-ईटिंग अमीबा** विशेष रूप से **नेग्लेरिया फाउलेरी और एकैंथअमीबा प्रजातियों** के कारण होता है, जो कुओं और तालाबों जैसे- दूषित गरम, मीठे पानी के स्रोतों में पाया जाता है।
- **संचरण: नेग्लेरिया फाउलेरी** दूषित मीठे पानी में तैरने या नहाने के दौरान नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है, मस्तिष्क तक पहुँचता है, यह **मस्तिष्क के ऊतक को नष्ट कर** देता है, जिससे गंभीर रूप से मस्तिष्क में सूजन आ जाती है।
    - यह पीने के पानी या व्यक्ति-से-व्यक्ति के माध्यम से नहीं फैलता है।
- **लक्षण:** शुरुआती लक्षणों में सिरदर्द, बुखार, मतली, उल्टी, गर्दन में अकड़न, भ्रम, दौरे, मतिभ्रम और कोमा शामिल हैं।
    - मृत्यु दर बहुत अधिक (>95%) है, अधिकांश रोगी 1-18 दिनों के भीतर, अक्सर शुरुआत के 5 दिनों के भीतर मर जाते हैं।
- **उपचार:** वर्तमान में कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। संक्रमण के प्रबंधन के लिये **एम्फोटेरिसिन B, एज़िथ्रोमाइसिन, फ्लुकोनाज़ोल और अन्य दवाओं के संयोजन** की सिफारिश की जाती है।

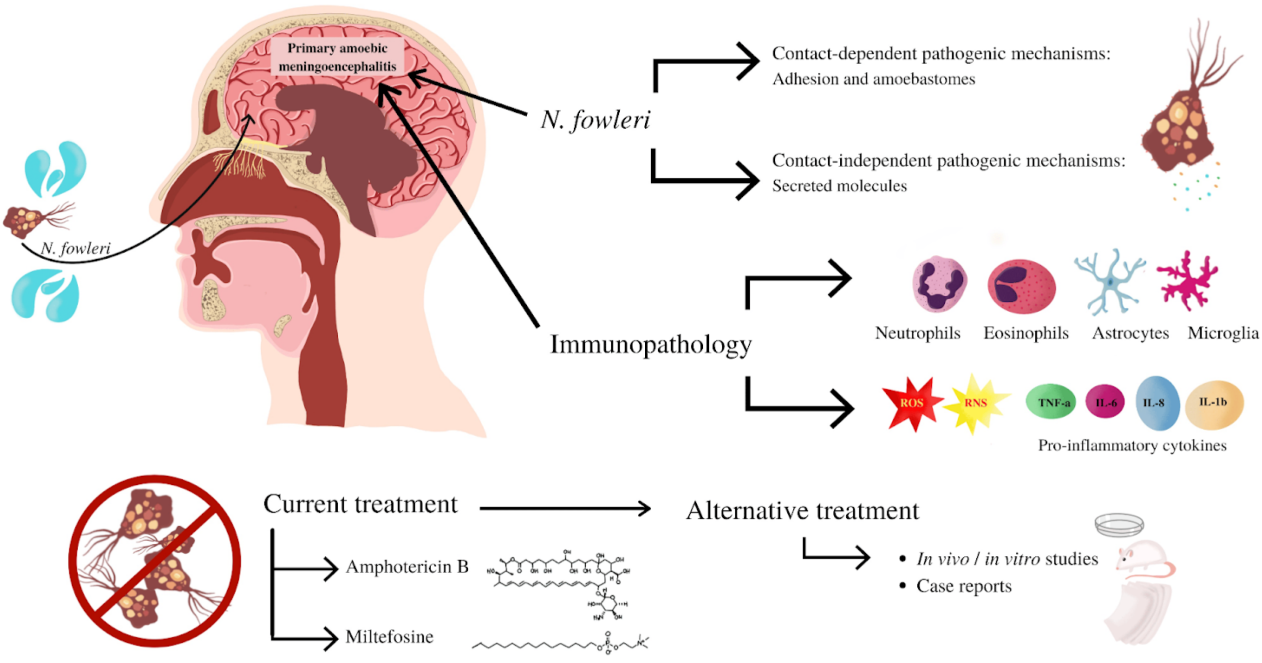

और पढ़ें: [प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस]